हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार 13 अप्रैल 2026

13 नामदेव समाज को एकजुट होकर बनानी होगी राष्ट्रीय...

14 कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे 24 टूटा, हादसों को दे...

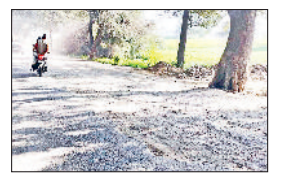

अलवर-दादरी रेलवे लाइन के रूट में बदलाव की मांग

अलवर-चरखी दादरी तक प्रस्तावित नई रेलवे लाइन के रूट को लेकर जनता में असंतोष बढ़ा, खटाई में महेंद्रगढ़ को रेल जंक्शन बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

अलवर (राजस्थान) से चरखी दादरी (हरियाणा) तक प्रस्तावित नई रेलवे लाइन के रूट को लेकर स्थानीय जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर मंडल द्वारा किए गए हालिया सर्वे में महेंद्रगढ़ और नारनौल को नजर अंदाज किया गया है और नीमराना को जोड़ा गया है।

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों को इस रूट में शामिल करने की मांग की गई है। अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अलवर-दादरी रेलवे लाइन की घोषणा केंद्रीय रेल बजट वर्ष 2011-12 में स्वीकृत हुआ था। उस समय किए गए सर्वे में महेंद्रगढ़ और नारनौल दोनों को इस रूट में सम्मिलित किया गया था, ताकि इस क्षेत्र के गांवों को रेल संपर्क से जोड़ा जा सके और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिल सके, लेकिन हालिया सर्वे में इन दोनों महत्वपूर्ण शहरों को छोड़ दिया गया है और उनके स्थान पर एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तावित किया गया है।

महेंद्रगढ़। प्रस्तावित महेंद्रगढ़ का रेल जंक्शन। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले का महत्व न केवल इसका भौगोलिक स्थान बल्कि यहाँ स्थित हरियाणा का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय है, जो पूरे देश से छात्रों को आकर्षित करता है। इसके अलावा, औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) के विकास के कारण भविष्य में यहां से यात्री और माल परिवहन की संभावनाएं और बढ़ने वाली हैं। इससे रेलवे को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है। यही कारण है कि महेंद्रगढ़ को इस मार्ग में शामिल करना रेलवे के दीर्घकालिक हित में भी है। क्षेत्र में तीर्थ स्थान व पर्यटन स्थल भी अनेकों है।

यह लिखा ज्ञापन में

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि नारनौल को एक उभरते हुए लाजिस्टिक्स हब के रूप में देखा जा रहा है। यहा राजकीय मेडिकल कालेज की स्थापना से यात्री आवागमन में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे इस क्षेत्र की रेल संपर्क की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। ऐसे में महेंद्रगढ़ और नारनौल को रेलवे रूट से जोड़ना न केवल जनहित में है बल्कि इन शहरों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए भी आवश्यक है।

सांसद डा. शर्मा ने दी संस्तुति

इस मुद्दे पर रोहतक लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने पहले ही अपनी संस्तुति दी थी। उन्होंने 24 जून 2022 को रेल मंत्री को भेजे गए डीओ पत्र में अलवर-बहरोड़, बहरोड़-नारनौल, नारनौल-महेंद्रगढ़ और महेंद्रगढ़-चरखी दादरी के बीच रेलवे लाइनों के सर्वे की सिफारिश की थी। क्षेत्रवासियों ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि जनहित और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए संबंधित मंत्रालय और भारतीय रेलवे को निर्देश दिए जाएं, ताकि अलवर-चरखी दादरी रेलवे लाइन का सर्वे पुनः महेंद्रगढ़ और नारनौल से होते हुए किया जा सके। इससे न केवल इन शहरों को रेल संपर्क मिलेगा, बल्कि रेलवे के दीर्घकालिक लाभ भी सुनिश्चित होंगे।

उभर सकता है असंतोष

महेंद्रगढ़ के अमृत योजना रेलवे स्टेशन पर होने वाली रेलगाड़ियों की ठहराव की स्थिति को भी रेखांकित करते हुए यह कहा गया कि इस स्टेशन का न केवल यात्रियों की सुविधा, बल्कि पूरे क्षेत्र की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। समाप्ति में यह कहा गया कि यदि इस मुद्दे पर उचित ध्यान नहीं दिया गया तो यह क्षेत्रीय असंतोष का कारण बन सकता है, जिसे सरकार को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। नीमराणा और चरखी दादरी के बीच नई रेल लाईन लगभग 155 किमी का सर्वे पूरा हो चुका है। लगभग अनुमान है कि 4 हजार करोड़ रुपये की लागत आएगी। जबकि यहां के विधायक व सासंदों ने महेंद्रगढ़ को जंक्शन बनाने की चेष्टा तक नहीं की। अगर उपरोक्त मांगें नहीं मानी गई तो यहां के लोग धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

खबर संक्षेप

कार बाइक की टक्कर में एक घायल

कनीना। रेवाड़ी मार्ग पर लक्ष्मी होटल के समीप सड़क हादसे में बाइक चालक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी पहचान सुभाष वासी करीरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सुभाष अपने काम से मोटरसाइकिल पर जा रहा था, तभी अचानक सामने से तेज रफ्तार में आई एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

भाजपा मनाएगी डॉ. आंबेडकर की जयंती

नारनौल। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि पार्टी की ओर से 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मदिन के उपलक्ष में अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हर समाज के लिए कार्य किया है, इसलिए वे सबके आदरणीय है। राव ने कहा कि हर समाज के हित में किए गए कार्यों को देखते हुए भाजपा डॉ. भीमराव आंबेडकर का सम्मान करती है और उनकी जयंती को हर वर्ष श्रद्धा के साथ मनाती है। राव ने कहा कि इस संदर्भ में प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्यक्रमों हेतु जिला टोली का गठन किया गया है। जिसमें डॉ. राकेश कुमार को जिला संयोजक व जिला टोली के सदस्य कर्मवीर खींची, कंवर सिंह, ईश्वर सिंह, संजय अमन, नीलम कुमारी, जोगिंद्र सिंह, मनोज बाल्मीकि, शेरसिंह, रविदत्त, जोगिंद्र जैदिया, मोहनलाल कोथल, बाबूलाल मुंडियाखेड़ा, अमर सिंह देवास व रामनिवास खेड़ी शामिल है।

सरसों के बढ़ते दाम और कम लागत ने बदली खेती की दिशा

नारनौल में गेहूं से किसानों का 'मोहभंग' मंडियों में नहीं पहुंचा एक भी दाना

- मंडियों में गेहूं की आवक शून्य, बाहर से अनाज मंगाने को मजबूर लोग
- घटते रकबे ने बढ़ाई चिंता, जिले में खाद्यान्न संतुलन पर संकट

राजकुमार ⏭ नारनौल

क्षेत्र में रबी सीजन के दौरान एक चौंकाने वाली स्थिति सामने आई है। गेहूं जैसी मुख्य खाद्यान्न फसल के प्रति किसानों की रुचि लगातार घटती जा रही है, जिसका असर अब साफ तौर पर मंडियों में दिखाई देने लगा है। हालात इतने बदल चुके हैं कि इस बार सरकारी खरीद शुरू हुए 12 दिन बीत जाने के बावजूद नारनौल मंडी में बिक्री के लिए गेहूं का एक भी दाना नहीं पहुंचा।

कृषि क्षेत्र में यह बदलाव अचानक नहीं आया है, बल्कि पिछले कई वर्षों से धीरे-धीरे पनप रहा था। अब यह स्थिति गंभीर रूप ले चुकी है। जिले खासकर नारनौल-नांगल चौधरी के किसान अब गेहूं की खेती को छोड़कर सरसों की फसल पर अधिक जोर देने लगे हैं। इसका मुख्य कारण सरसों में कम लागत, कम मेहनत और अधिक मुनाफा मिलना है। ऐसे में इस समस्या के समाधान की जरूरत है।

नारनौल जिले में गेहूं की घटती पैदावार केवल एक स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि यह पूरे कृषि तंत्र के लिए एक चेतावनी है। इस समस्या के कारण गांव के गैर किसान लोगों को सालभर को खाने के लिए गेहूं का अनाज नहीं मिल पा रहा है और उन्हें परेशानी हो रही है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में आमजन को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि यदि सरकार गेहूं की खेती को बढ़ावा देना चाहती है तो किसानों को बेहतर प्रोत्साहन देना होगा। सिंचाई, बीज, खाद और तकनीकी सहायता के साथ-साथ उचित मूल्य सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

नारनौल। अटेली मंडी में बिक्री के लिए लगी गेहूं की ढेरी। फोटो : हरिभूमि

सरसों बनी किसानों की पहली पसंद

किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल तैयार करने में चार बार सिंचाई करनी पड़ती है, जबकि सरसों में केवल दो पानी ही पर्याप्त होते हैं। इसके अलावा गेहूं की खेती में खाद, दवाइयों और मजदूरी पर ज्यादा खर्च आता है। इसके विपरीत सरसों में लागत कम लगती है और बाजार में इसके दाम भी बेहतर मिलते हैं। यही कारण है कि जिले में इस रबी सीजन में जहां केवल 46,352 एकड़ में गेहूं की बुवाई कृषि विभाग द्वारा वेरीफाई की गई, वहीं 2,47,536 एकड़ में सरसों की खेती वेरीफाई की गई। यानी दोनों फसलों के बीच दो लाख एकड़ से भी ज्यादा का अंतर देखने को मिला। यह अंतर साफ दर्शाता है कि किसान अब पारंपरिक खाद्यान्न फसलों से दूरी बना रहे हैं।

केवल परिवार तक सीमित हो रहा गेहूं

अब अधिकांश किसान केवल अपने परिवार के सालभर के उपयोग के लिए ही गेहूं उगा रहे हैं। बाजार में बेचने के लिए वे गेहूं की फसल नहीं ले रहे। इससे स्थानीय स्तर पर गेहूं की उपलब्धता कम होती जा रही है। इसका सीधा असर आमलोगों पर पड़ रहा है। बाजार में गेहूं आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहा और जो मिल रहा है, वह भी महंगे दामों पर। स्थानीय दुकानदारों को भी अन्य जिलों या राज्यों से गेहूं मंगवाना पड़ रहा है, जिससे लागत और बढ़ जाती है।

मंडियों में गेहूं की आवक शून्य

नारनौल और नांगल चौधरी की मंडियों के आंकड़े इस बदलाव की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। नांगल चौधरी मंडी में पिछले चार वर्षों में केवल वर्ष 2025-26 में महज 30 क्विंटल गेहूं की बिक्री दर्ज हुई, जबकि अन्य चार वर्षों में यह आंकड़ा शून्य रहा। इसी तरह नारनौल मंडी में भी पिछले वर्षों में सीमित मात्रा में गेहूं पहुंचा, जो वर्ष 2023-24 में 179 क्विंटल, 2024-25 में 276 क्विंटल और 2025-26 में 347 क्विंटल। लेकिन इस बार तो हालात और खराब हैं, अब तक एक भी दाना मंडी तक नहीं पहुंचा है। गेहूं की गिरावट का इससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि जिले की पांचों मंडियों में पिछले साल कुल 95,123 क्विंटल गेहूं की बिक्री हुई थी, जबकि सरसों की बिक्री 1,18,97,331 क्विंटल तक पहुंच गई। यानी सरसों की आवक गेहूं के मुकाबले 12 से 13 गुना अधिक रही।

खाद्यान्न सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही स्थिति जारी रही तो भविष्य में खाद्यान्न संतुलन बिगड़ सकता है। एक ओर जहां नकदी फसलें किसानों को आर्थिक लाभ दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर खाद्यान्न फसलों का घटता उत्पादन चिंता का विषय बनता जा रहा है। सरकार द्वारा गेहूं की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय किया जाता है, लेकिन किसानों का कहना है कि वास्तविक लागत और मेहनत के मुकाबले उन्हें पर्याप्त लाभ नहीं मिल रहा। यही वजह है कि वे सरसों जैसी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं।

यह कहते हैं अधिकारी

महेंद्रगढ़ जिला खासकर नारनौल एवं नांगल चौधरी में डार्क जोन की स्थिति है और गेहूं की फसल में सिंचाई के लिए ज्यादा पानी की जरूरत होती है। इसकी तुलना में सरसों कम पानी में ही हो जाती है। सरसों के मार्केट में दाम भी अच्छे मिल रहे हैं। ऐसे में किसान गेहूं की बजाए सरसों की अधिक पैदावार ले रहे हैं।

-डा. हरपाल सिंह, एटीपीओ, कृषि विभाग, नारनौल

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

चिट्टा के साथ सप्लायर सहित दो गिरफ्तार

आरोपित से 15 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ चिट्टा हेरोइन बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीआईए ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीआईए 11 अप्रैल को टीबी अस्पताल के पास गश्त पर थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि मोहल्ला बास निवासी व हाल मोहल्ला राव का में रहने वाला विशाल अवैध नशीला पदार्थ बेचने का काम करता है और सरकारी अस्पताल की तरफ से रेलवे अंडरपास के नीचे से स्टेट वेयरहाउस की ओर जाएगा।

सूचना पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की। कुछ ही समय बाद एक युवक मोटरसाइकिल पर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे काबू कर लिया, जिससे पूछताछ में उसने अपना विशाल उपरोक बताया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत ड्यूटी मजिस्ट्रेट को मौके पर बुलाया गया। उनकी मौजूदगी में ली गई तलाशी के दौरान आरोपित से एक काले रंग की पॉलीथिन बरामद हुई, जिसके अंदर सिल्वर पेपर में लिपटा हुआ 15 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ चिट्टा हेरोइन मिला।

इसके अलावा उसके पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज किया। मामले की गहनता से जांच करते हुए जब पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित विशाल से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि वह यह नशीला पदार्थ परशुराम कॉलोनी निवासी पुनीत के पास से लाया था।

इस जानकारी पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने पुनीत को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपित विशाल को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि आरोपित पुनीत को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

नारनौल। धरने को संबोधित करते कर्मचारी नेता महेंद्र संगेलिया। फोटो : हरिभूमि

दमकल विभाग के कर्मचारियों का धरना रविवार को भी रहा जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

फरीदाबाद अग्निकांड में मारे गए दो फायर कर्मियों को शहीद का दर्जा देने एवं उनके आश्रितों को एक-एक करोड़ की सहायता देने की मांग को लेकर दमकल विभाग के कर्मचारियों धरना-प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इस धरने को नगर पालिका कर्मचारी संघ ने भी अपना खुला समर्थन दिया।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेंद्र संगेलिया ने कहा कि फायर कर्मियों का कार्य बड़ा जोखिम भरा है और ये कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभाते हुए अपने प्राणों तक की आहुति देने से पीछे नहीं हटते हैं। फरीदाबाद में हुआ अग्निकांड भी ऐसा है, जिसमें दो फायर कर्मी, पुलिस कर्मी आदि बेमौत मारे। इसलिए सरकार को चाहिए कि मारे गए कर्मचारियों को शहीद का दर्जा दे और उन्हें आश्रितों को एक-एक करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान करे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा फायर कर्मियों की कुछ मांगें हैं, सरकार को उन मांगों को भी लागू करना चाहिए। फायर कर्मचारी पिछले चार दिनों से हड़ताल पर हैं। इनकी सुनवाई बिना किसी देरी के होनी चाहिए। इस मौके पर दमकल कर्मचारी यूनियन के प्रधान गुरदयाल सिंह, उपप्रधान दिनेश कुमार, हवासिंह यादव, विक्रम जोया, सुभाष चंद, संदीप कुमार, लीलाराम, हरिओम, आशीष कुमार, सतपाल सिंह, संजय कुमार, अनिल कुमार, प्रदीप कुमार, अजय कुमार, इंद्रसिंह, सुनील कुमार, रविकांस, विनित यादव, राकेश कुमार एवं नगर पालिका से भूपेंद्र सारवान एवं महावीर सिंह आदि मौजूद रहे।

नांगल कालिया के अमित अधीक्षक पद पर चयन

नांगल चौधरी। एसएससी सीजीएल के परिणाम में नांगल कालिया निवासी अमित कुमार पुत्र सत्यपाल ने सफलता हासिल की है। जिसे मेरिट के आधार पर आयकर विभाग में अधीक्षक पद पर चयनित किया गया है। मेधावी छात्र को सम्मानित करने के लिए ग्रामीणों ने समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। सत्यपाल ने बताया कि अमित कुमार का शैक्षणिक रिकार्ड टॉपर रहा है, उन्होंने स्नातक तक मेरिट सूची में स्थान बनाया है। बीते साल उन्होंने एसएससी के तहत सीजीएल परीक्षा दी थी। जिसका मैन परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। अमित कुमार को रैंक के अनुसार आयकर विभाग के सुप्रीडेंट पद प्राप्त हुआ है। मेधावी छात्र ने सफलता का श्रेय दादा व दादी को दिया है, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी परिश्रम करने की उत्साह वर्धक प्रेरणा दी।

एसएस अस्पताल के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर कल

नांगल चौधरी। एसएस अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर के स्थापना दिवस के अवसर पर 14 अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया जाएगा, ताकि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिक लोग इस पुण्य कार्य से जुड़ें। डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि रक्तदान केवल जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान करने से शरीर में रक्त संचार बेहतर रहता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम हो सकता है। इसके अलावा रक्तदान मोटापा नियंत्रित करने में सहायक होता है और कई अन्य बीमारियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई: हनीट्रैप व ब्लैकमेल करने के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

मारपीट की व जान से मारने की धमकी देकर 50 लाख रुपये की मांग, 12 लाख रुपये में तय हुआ सौदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस की ओर से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शहर थाना पुलिस ने हनीट्रैप व ब्लैकमेलिंग के मामले का पर्दाफाश करते हुए त्वरित कार्रवाई कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में महिला मीनाक्षी व उसके दो साथी अमरजीत तथा कपिल शामिल हैं। पुलिस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज होने के कुछ घंटों बाद ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने 10 अप्रैल को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 15 मार्च को उसके पास एक फोन आया, जिसमें एक लड़की ने बैंकिंग कार्यों की जानकारी लेने के बहाने उससे बातचीत करते हुए विश्वास में लिया। इसके बाद तीन अप्रैल को महिला ने उसे अटेली बस स्टैंड पर मिलने के लिए बुलाया और वहां से नारनौल के एक होटल में ले गई।

होटल के कमरे में महिला ने जबरन कपड़े उतरवाए और आपत्तिजनक तस्वीरें खींच ली। जब पीड़ित घबराकर वापस लौट रहा था, तो रास्ते में महिला के साथियों ने एक गाड़ी से उसकी स्कूटी को रोक लिया और जबरन अपनी गाड़ी में बैठा लिया। गाड़ी में पहले से वह महिला भी मौजूद थी। आरोपितों ने पीड़ित के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए 50 लाख रुपये की मांग की।

काफी डराने धमकाने के बाद 12 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। आरोपितों ने दबाव डालकर पीड़ित के घर फोन करवाया और 12 लाख रुपये के तीन चेक जबरन हासिल किए। इसके अलावा पीड़ित के मोबाइल से खाते में फोनपे के माध्यम से 95 हजार रुपये भी ट्रांसफर करवा लिए।

नारनौल। शहर थाना। फोटो : हरिभूमि

झूठा रेप केस दर्ज करवाने की दी धमकी

बैंक का समय समाप्त होने के कारण चेक की पेमेंट नहीं हो सकी। इसके बाद आरोपितों ने धमकी दी कि यदि इस घटना के बारे में किसी को बताया तो वे उन पर झूठा रेप केस दर्ज करवा देंगे और तस्वीरें उसके रिश्तेदारों को भेज देंगे। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना शहर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तुरंत जांच शुरू की और तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की गहन जांच कर रही है।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लोक संस्कृति के स्तंभ: मास्टर सतबीर सिंह

उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

जयंती विशेष

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की लोक संस्कृति सदियों से अपनी सादगी, वीरता, भक्ति और लोकजीवन की सहज अभिव्यक्ति के लिए प्रसिद्ध रही है। इस सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने वाले अनेक कलाकारों ने इसे जीवंत रखा है। उन्होंने अपने सुर, ताल और साज-बाज से इसे सहेजा है और जनमानस में इसका प्रचार-प्रसार किया है। लोकसंस्कृति के चितेरे ऐसे ही महान कलाकारों में मास्टर सतबीर सिंह का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने शिक्षक और गायक दोनों ही रूपों में समाज की सेवा की और हरियाणवी लोकसंस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

मास्टर सतबीर सिंह का जन्म 13 अप्रैल 1951 को हरियाणा के भैंसवाल गांव में एक सम्मानित एवं संस्कारी परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पृथी सिंह एवं माता का नाम भरथो देवी था, दोनों ही बहुत धार्मिक और सांस्कृतिक प्रवृत्ति के थे। परिवार में आध्यात्मिकता, परंपरा और संस्कृति का वातावरण था, जिसका प्रभाव बालक सतबीर सिंह के व्यक्तित्व पर प्रारंभ से ही दिखाई देने लगा। यही कारण था कि बचपन से ही उनके भीतर संगीत, भजन और लोकसंस्कृति के प्रति गहरी रुचि पैदा हो गई। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक परिवेश से समृद्ध गांव भैंसवाल में समय-समय पर अनेक प्रतिष्ठित गायक, सांगी और भजनी अपनी मंडलियों के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करने आया करते थे। इस सजीव और सुरमयी वातावरण ने भी बालक सतबीर के कोमल मन पर गहरा प्रभाव डाला। इस प्रकार धीरे-धीरे उनकी हृदयतंत्री के तार झंकृत हो उठे। उनकी मनवीणा से सप्त-सुर फूट पड़े और वे संस्कृति के अनन्य उपासक बन गए। "जहां चाह, वहां राह" वाली उक्ति के अनुसार अब संगीत साधना को ही वे अपने जीवन का सर्वस्व मानने लगे। स्नातक पास करने के उपरांत वे सरकारी सेवा में पीटीआई के पद पर नियुक्त हुए। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों को केवल शारीरिक शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि उनमें अनुशासन, संस्कार और देशप्रेम की भावना भी विकसित की। मास्टर सतबीर सिंह ने लोकसंस्कृति के मर्मज्ञ रामदत्त को अपना गुरु माना और उनसे लोकगायन की बारीकियां सीखी। गुरु-शिष्य परंपरा के इस संबंध ने उनके गायन को नई दिशा और गहराई प्रदान की। उन्होंने अपनी गायकी की शुरुआत वर्ष 1971 में हिसार की नील कॉलोनी में एक मंदिर निर्माण कार्यक्रम से की। यह उनके जीवन का पहला सार्वजनिक मंच था, जहां उन्होंने लगातार 11 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली रही कि न केवल सभी कार्यक्रम अत्यंत सफल हुए, बल्कि उस मंदिर का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य भी पूर्ण हो सका। इस घटना ने उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार किया और यहीं से उनके सफल लोकगायन की यात्रा प्रारंभ हुई।

उनकी प्रतिभा को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब कुराड़ (सोनीपत) में आयोजित एक प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित गायकों के बीच प्रसिद्ध सांगी जयनारायण ने उन्हें प्रथम स्थान प्रदान किया, तब उन्हें स्वयं अपनी गायन क्षमता का वास्तविक आभास हुआ। यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत बना और उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी कला को निखारना जारी रखा। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उस दौर में महाशय पालेराम हलालपुरिया, राजकिशन अगवानपुरिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, सत्ते, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया, रणबीर बड़वासणिया, राजेंद्र खरकिया, दयानन्द, बिल्लू (यू.पी.) जैसे अनेक नामी कलाकारों का हरियाणवी रागनी गायन के क्षेत्र में पदार्पण हो चुका था। ऐसे दिग्गजों के बीच मास्टर सतबीर सिंह ने अपने अद्वितीय गायन कौशल और प्रभावशाली अदायगी के बल पर एक विशिष्ट पहचान बनाई। इन सभी विख्यात कलाकारों के साथ उनके अनेक मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने अनेक बार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। अपनी कला में निपुण होने के परिणाम स्वरूप उन्हें राष्ट्रपति भवन में भी प्रोग्राम करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। महाशय पालेराम के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से श्रोताओं के दिलों में घर कर गई थी। यह अद्भुत युगलबंदी लगभग चार दशकों तक मंचों पर निरंतर अपनी छटा बिखेरती रही। उस दौर में इस जोड़ी की लोकप्रियता अपने चरम पर थी। ग्रामीण परिवेश में लोग अपने पारिवारिक उत्सवों, विशेषकर विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अत्यंत आवश्यक मानते थे। स्थिति यह थी कि यदि निर्धारित तिथि पर यह जोड़ी उपलब्ध न हो पाती, तो अनेक परिवार अपने आयोजन की तिथि तक बदल देते थे, ताकि इन दोनों प्रख्यात कलाकारों की शानदार संगीतमयी प्रस्तुति से उनका समारोह और भी भव्य बन सके। मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया की विशेषता यह रही कि उन्होंने सदैव परंपरागत लोककवियों की रचनाओं को उन्हीं की बनाई, उसी मूल शैली और तर्ज में प्रस्तुत किया। वे अपने गायन में अधिकतर देसी तर्जों का ही प्रयोग करते थे। यद्यपि उन्होंने बाजे भक्त, मांगेराम, मेहरसिंह, दयाचंद, धनपत, आदि सभी प्रतिष्ठित कवियों की रचनाओं को अपना स्वर दिया लेकिन सूर्यकवि पंडित लखमीचंद की कविताई का उन पर सर्वाधिक प्रभाव था। उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे। वे मंच पर केवल मनोरंजन के लिए नहीं गाते थे बल्कि अपने गीतों के माध्यम से समाज को नैतिकता, धर्म और संस्कारों का संदेश भी देते थे। मास्टर सतबीर सिंह जीवन भर मर्यादा, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलते रहे। लोक गायन के मंच पर भी उन्होंने कभी अशालीनता या भद्देपन को स्थान नहीं दिया। उनका मानना था कि लोकसंगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि समाज को सही दिशा देने का माध्यम भी है। इसलिए वे अपनी रचनाओं और प्रस्तुतियों में सदैव नैतिकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व देते थे। यही कारण था कि वे अपने साथियों, शिष्यों और श्रोताओं के बीच अत्यंत सम्मानित एवं लोकप्रिय थे। हरियाणा की लोकसंस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता देते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर मास्टर सतबीर सिंह को हरियाणा के माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पित सेवाकार्य पर शासन की आधिकारिक स्वीकृति का प्रतीक था। 18 जुलाई 2016 को हरियाणा की लोक संस्कृति को एक बड़ा आघात लगा, जब मास्टर सतबीर सिंह का निधन हो गया। लगभग 65 वर्ष की आयु में उन्होंने इस संसार से अंतिम विदा ली। उनके जाने से हरियाणवी लोकगायन की दुनिया में एक ऐसी रिक्तता उत्पन्न हो गई, जिसे भर पाना आसान नहीं है। मास्टर सतबीर सिंह के श्रद्धांजलि स्वरूप उनके शिष्य और प्रसिद्ध लोककवि सुखबीर सिंह बहलंबिया द्वारा रचित अग्रदत्त पंक्तियां, केवल शोकगीत नहीं बल्कि एक युग और लोकधारा के अवसान का भावपूर्ण चित्रण है-

अठारह जुलाई सन् सोलह को,
इसी नजर फिरी भगवान की।
सुबह–सुबह धड़कन बंद होगी,
हरियाणे की श्यान की।

मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया केवल एक लोकगायक ही नहीं, बल्कि एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशिक्षक और लोकसंस्कृति के सच्चे संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने गाँव में वर्षों तक अखाड़ा भी संचालित किया, जहाँ से कुश्ती के दाव-पेंच सिखाकर अनेक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने अपने सुरों और शब्दों के माध्यम से समाज को संस्कृति धर्म और मर्यादा का संदेश दिया। हरियाणा की सांस्कृतिक परंपरा में उनका नाम सदैव आदर और सम्मान के साथ लिया जाएगा। उनके द्वारा दी गई सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। अंत में मास्टरजी के लिए यही कहना उपयुक्त होगा-बड़े गौर से सुन रहा था जमाना, तुम्हीं सो गए दास्तां कहते-कहते।

गजल | रामफल गौड़

पहलां आळे गाम रह्ये ना

पहलां आळे गाम रह्ये ना।
राह गोहरां के नाम रह्ये ना।

सौ मैं थेल्ला भरज्या करता,
चीज्जां के वैं दाम रह्ये ना।

करैं हैल्लो हाय, बाय-बाय,
राम सलाम कलाम रह्ये ना।

कुश्ती खाड़े जोर करैं थे,
दारे, चन्दगी राम रह्ये ना।

मौसम नैं बी पाळे बदले,
धूप अबर अर छाम रह्ये ना।

बाजे,ब्यास अर् लखमी साधु,
धनपत , मांगे राम रह्ये ना।

काळा, लील्ला, धोळा, भूरा,
बच्चयाँ के इब नाम रह्ये ना।

भर-भर बुगटे चाब्या करते,
ओह्ळ चणे हे राम रह्ये ना।

दुनियां हो सै आणी-जाणी,
लछमन, सीता,राम रह्ये ना।

राजे अर रजवाड़े उजड़े,
राजशाही निजाम रह्ये ना।

कैन्दू, कैम्ब, संभाळू, सीरस।
गुल्लर,हींस इब आम रह्ये ना।

सब कुछ हुया मशीन्नी केसर,
हात्थां आळे काम रह्ये ना।

रागिनी | डॉ. शील कुमार

गाम का चूल्हा

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

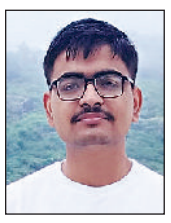

गैस सिलेंडर खातर, शहरां मैं लांबी लैन लगी।
इब क्यूकर होवै गुजारा,या महंगाई की मार घणी।
गामां मैं फेर लौट चलो, उडै कति नहीं महंगाई सै।।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

उडै देसी चुल्हा जलाकै, यो गैस का संकट मिट ज्यागा।
थोड़े से ईंधन मैं,उडै खीर-चुरमा बण ज्यागा।।
दूध,दही, घी शुद्ध मिलज्यागा, असली मिलै मलाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

माट्टी के चूल्हे मैं,जब धीमी-धीमी आग जलै।
लगैं रोटी मिश्री बरगी, और अमृत जैसा साग लगै।।
चूल्हा जोडै घर के रिश्ते,रूठे मनज्यां भाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

संकट नै अवसर मानकै,हम आगै कदम बढ़ावांगें।
गामां की धरती पै, हम नया इतिहास बणावांगें।।
परंपरा-विज्ञान जोड़कै, शील नै अलख जगाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आस्था | **1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी**

शौर्य, श्रद्धा और श्रम का महासंगम है वैशाखी

पर्व | अंकुर शर्मा

हरियाणा की धरती पर ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के नए आयामों का उद्घाटन है। चैत्र मास की कोमलता, नवसंवत्सर की नवचेतना और नवरात्रों की शक्ति-साधना जब अपने चरम पर पहुंचती है, तब वैशाख का आगमन होता है। यह केवल एक नया मास नहीं, बल्कि श्रम, पुरुषार्थ और उपलब्धि का उत्सव है। इसी वैशाख संक्रांति का सर्वाधिक उज्ज्वल प्रतीक है वैशाखी। हरियाणा के कृषक जीवन में वैशाखी का विशेष महत्व है।

यह पर्व रबी की फसल, विशेषकर गेहूं की कटाई और उसकी सिद्धि का उत्सव है। महीनों की कठिन मेहनत, ठंडी हवाओं में जागी रातें और तपती धूप में किया गया श्रम इस दिन साकार रूप में सामने आता है। खेतों में लहलहाती सुनहरी बालियां जब हवा के साथ झूमती हैं, तो वह दृश्य केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि किसान के परिश्रम का जीवंत प्रमाण होता है। इस दिन पहली दरांती चलाने से पूर्व धरती माता और अन्नदेवता का विधिवत पूजन किया जाता है, जो भारतीय कृषि संस्कृति की गहरी आस्था को दर्शाता है।लोक-मानस में वैशाखी को समृद्धि और उल्लास का प्रतीक माना गया है। लंबे परिश्रम के बाद जब किसान की देहली पर अन्न और आर्थिक स्थिरता का आगमन होता है, तो उसके चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता का भाव स्वतः झलक उठता है। यह पर्व उस श्रम-साधना का उत्सव है, जिसमें प्रकृति और पुरुषार्थ का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। वैशाखीका एक महत्वपूर्ण पक्ष हरियाणा की सामुदायिक

जीवन-पद्धति में निहित है। इस समय 'अंगा' या सामूहिक श्रम की परंपरा विशेष रूप से देखने को मिलती है। गांव के लोग आपसी सहयोग से एक-दूसरे की फसल काटने में जुट जाते हैं। यह सहयोग केवल कार्य की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का सशक्त उदाहरण है। खेतों में काम करते समय जब श्रमिक वर्ग छाछ, लस्सी, प्याज और गुड़ के साथ अपनी थकान मिटाता है, तो उसमें श्रम की गरिमा और संतोष की अनुभूति स्पष्ट दिखाई देती है। वैशाखी का महत्व केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय इतिहास और आध्यात्मिक चेतना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह घटना भारतीय समाज में साहस, समानता और आत्मसम्मान के नवजागरण का प्रतीक बनी। हरियाणा, जो सदैव वीरता और स्वाभिमान की भूमि रहा है, इस ऐतिहासिक विरासत को आज भी अपनी सांस्कृतिक चेतना में संजोए हुए है। वैशाखी के अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन, अरदास और सेवा का आयोजन इस आध्यात्मिक परंपरा को सजीव बनाए रखता है।इस पर्व का एक और जीवंत स्वरूप हरियाणा के मेलों और लोक-उत्सवों में देखने को मिलता है। विभिन्न स्थानों पर लगने वाले मेलों में लोकजीवन की रंगीन झलक दिखाई देती है। दंगल या कुश्ती प्रतियोगिताएं इन मेलों का मुख्य आकर्षण होती हैं। अखाड़े की मिट्टी में उतरते पहलवान केवल अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि वे उस परंपरा का निर्वाह करते हैं, जिसमें शरीर और आत्मबल दोनों का सम्मान निहित है। ढोल-नगाड़ों की थाप पर गूंजती हुंकारें हरियाणा के पौरुष और उत्साह का परिचायक होती हैं। लोक-नृत्यों और गीतों के माध्यम से भी वैशाखी का उल्लास अभिव्यक्त होता है। झूमर, फाग और अन्य पारंपरिक नृत्य-शैलियां ग्रामीण जीवन की सहजता और आनंद को प्रकट करती हैं। कहीं-कहीं पंजाब के प्रभाव से भांगड़ा की झलक भी देखने को मिलती है, जो इस उत्सव को और अधिक रंगीन बना देती है। मेलों में गन्ने का रस, गुड़ की मिठास और पारंपरिक व्यंजन इस पर्व की स्वादात्मक स्मृतियों को और भी मधुर बना देते हैं।फसल कटाई के पश्चात जब श्रम का दबाव कुछ कम होता है, तब हरियाणा के गांवों में सांस्कृतिक गतिविधियों का विस्तार होता है। 'सांग' या 'स्वांग' की लोक-नाट्य परंपरा इसी समय अधिक सक्रिय हो जाती है। खुले आकाश के नीचे, साधारण मंच पर प्रस्तुत ये लोक-नाट्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते, बल्कि वे लोक-इतिहास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना के संवाहक होते हैं। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कृति के हस्तांतरण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में वैशाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन की उस यात्रा का उत्सव है, जिसमें भावना से उपलब्धि तक और साधना से सिद्धि तक का मार्ग प्रशस्त होता है। यह हमें सिखाती है कि श्रम ही समृद्धि का आधार है और सामूहिकता ही समाज की वास्तविक शक्ति। हरियाणा की माटी में रची-बसी यह परंपरा हमें संदेश देती है कि जब मनुष्य का पुरुषार्थ और प्रकृति की कृपा एक साथ मिलते हैं, तभी जीवन में वास्तविक आनंद और संतोष की प्राप्ति होती है। यही इस पर्व का शाश्वत सत्य और हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा का सार है।

जिंदगी में हार मानना विकल्प नहीं : आकांक्षा भारद्वाज

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लखमी' में बेहद प्यारी-सी मासूम छोटी बहन का किरदार निभाने वाली आकांक्षा भारद्वाज क्षेत्रीय सिनेमा में उभरती हुई कलाकार हैं। गुरुग्राम अरावली शूट के दौरान आकांक्षा से बातचीत का अवसर मिला। वह मशहूर हरियाणवी एल्बम बांदी, राजेश बब्बर निर्देशित कांड 2010 वेबसीरीज़, यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' के अलावा रावण, 1600 मीटर, धुंध, प्रेम नगर और सत्या जैसे प्रोजेक्ट में अपने अभिनय से सबको चकित कर चुकी हैं। वह अपने परिश्रम और कर्मठता से अभिनय के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में आकांक्षा का सफ़र आसान नहीं रहा। उनकी पत्रकार बहन ने उनके अंदर के कलाकार को पहचाना और अभिनय के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। उसके निधन के बाद उन्होंने थियेटर जॉइन किया। एक थियेटर ही था, जिसने उन्हें संभाला और वहीं से उनके अभिनय की शुरुआत हुई। फिल्म दादा लख्मी से बड़े पर्दे पर उन्हें पहला मौका मिला और बॉलीवुड एक्टर डायरेक्टर यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार के साथ काम करना उनके लिए प्रेरणादायक रहा।

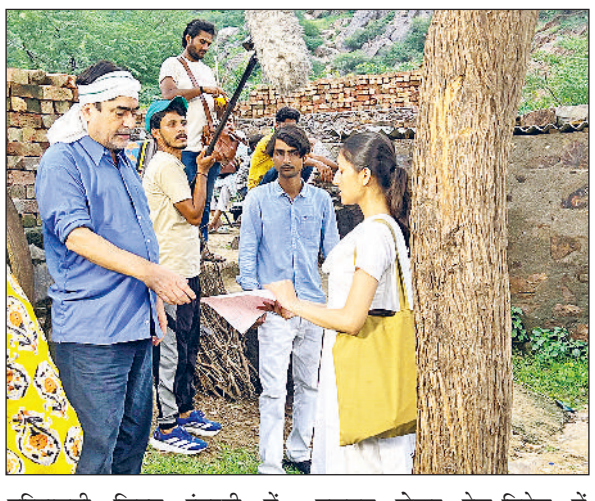

आकांक्षा की अभिनय यात्रा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। उनके अनुसार दीपा थियेटरिस्ट ने उन्हें पहली बार मंच पर बोलना सिखाया था। वह बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री में कहानी, तकनीक और गुणवत्ता के स्तर पर काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं। दादा लख्मी जैसी फिल्मों ने हरियाणा की संस्कृति और इतिहास को सम्मानजनक तरीके से बड़े स्तर पर प्रस्तुत किया है। अब नए कलाकारों को अवसर मिल रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि हरियाणवी सिनेमा आगे और मजबूत होकर देश-विदेश में पहचान बनाएगा। छोटी सी उम्र में ही दादा लखमी फिल्म में अनेक दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में वह बताती हैं कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास और सीखने वाला अनुभव रहा। इसी फिल्म के जरिए उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर खुद को देखने का मौका मिला, जो उनके लिए बहुत गर्व की बात थी। आकांक्षा हरियाणा में तो अनेक प्रोजेक्ट कर चुकी हैं लेकिन वह निश्चित रूप से बॉलीवुड में भी काम करना चाहती हैं। हर कलाकार की तरह उनका भी सपना है कि उन्हें बड़े स्तर पर काम करने का अवसर मिले और वह अपने अभिनय से व्यापक दर्शकों तक पहुंच सके। वह इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं और जब भी अवसर मिलता है, ऑडिशन देती रहती हैं। उनका मानना है कि मेहनत और धैर्य के साथ सही समय आने पर अच्छे अवसर जरूर मिलते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने काम को ईमानदारी और पूरी लगन से करते रहने पर है। क्या अभिनय को प्रोफेशन बनाकर काम किया जा सकता है, जैसे प्रश्न पर आकांक्षा का मानना है कि अभिनय को निश्चित रूप से एक पेशे के रूप में अपनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए बहुत धैर्य और अनवरत परिश्रम की जरूरत होती है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सफलता तुरंत नहीं मिलती, इसलिए सबसे ज़रूरी है कि इंसान अपने धैर्य को बनाए रखे और अपने काम में लगातार मेहनत करता रहे। स्वयं उनके शब्दों में - अगर आपके अंदर सीखने की इच्छा है, अपने काम के प्रति ईमानदारी है और आप हर अनुभव से कुछ नया सीखते रहते हैं तो अभिनय को एक मजबूत और सम्मानजनक प्रोफेशन बनाया जा सकता है। आकांक्षा हरियाणा में आने वाले समय में अनेक संभावनाएं देखती हैं हरियाणा में अभिनय और एंटरटेनमेंट के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, खासकर सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कारण नए कलाकारों को पहचान मिल रही है। आज स्टेज एप, सुपवा तथा हरियाणवी कलाकारों की मेहनत और लगन से हरियाणा की भाषा और संस्कृति व फिल्मों को देश-विदेश में पहचान मिल रही है।

साबित करना है कि बेटियां किसी से कम नहीं होती

एक बेटी के रूप में आकांक्षा साबित करना चाहती हैं कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं। हर चुनौती और हर अनुभव ने उन्हें यह सिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो, मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती। मैं अपनी कला के ज़रिए लोगों तक अपनी सोच, अपनी भावनाएं और अपनी मेहनत पहुंचाना चाहती हूं।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। आंगनबाड़ी केंद्र में रेडीनेस मेले का रिबन काट कर शुभारंभ करती हुई।

रेडीनेस मेले में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

मंडी अटेली। गांव सुरानी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में रेडीनेस मेले का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस मेले का उद्देश्य छोटे बच्चों को शिक्षा के लिए तैयार करना तथा उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बौद्धिक, भाषाई, सामाजिक, शारीरिक एवं गणितीय विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर आंगनबाड़ी सुपरवाइजर नीलम वशिष्ठ ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की नियमित देखभाल और शिक्षा पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नीलम वशिष्ठ ने की।

दिल्ली में वर्ष के अंत तक होगा राष्ट्रीय स्तर का महासम्मेलन

नामदेव समाज को एकजुट होकर बनानी होगी राष्ट्रीय पहचान: वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है और आज समय की मांग है कि नामदेव समाज संगठित होकर अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करे। इसी उद्देश्य को लेकर वर्ष के अंत तक दिल्ली में नामदेव समाज का राष्ट्रीय स्तर का भव्य महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह विचार नामदेव समाज के संरक्षक एवं हरियाणा प्रदेश पिछड़ा आयोग के पूर्व अध्यक्ष सतवीर वर्मा ने समाज के वरिष्ठजनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर भाजपा पूर्व प्रदेश सचिव मनीष मित्तल भी उपस्थित रहे।

वर्मा ने कहा कि समाज के लोगों में बढ़ता उत्साह व सहभागिता यह दर्शाती है कि लंबे समय से देखा जा रहा महासम्मेलन का सपना अब साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी समाज तब तक सामाजिक और राजनीतिक रूप से उन्नति नहीं कर सकता, जब तक वह संगठित न हो। संगठन ही समाज को सम्मान, अधिकार और पहचान दिलाने का

नारनौल। विश्राम गृह में समाज के लोगों को संबोधित करते सतवीर वर्मा। फोटो : हरिभूमि

माध्यम बनता है। सतवीर वर्मा ने बताया कि पूरे देश में नामदेव समाज की जनसंख्या लगभग 15 करोड़ के आसपास मानी जाती है, लेकिन समाज विभिन्न नामों और घटकों में बंटा हुआ है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी संगठन, सभाएं और सामाजिक संस्थाएं आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आएं और समाज की सामूहिक शक्ति को मजबूत करें। उन्होंने हरियाणा सरकार की ओर से समाज के हित में लिए गए निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि नामदेव जयंती के अवसर पर कई ऐतिहासिक घोषणाएं की गई थी। प्रदेश के कई जिलों में धर्मशालाओं के निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की गई है तथा कई स्थानों पर धर्मशालाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से नारनौल में नामदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए धर्मशाला निर्माण हेतु भूमि देने की घोषणा भी शीघ्र पूरी होने की उम्मीद है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर नामदेव समाज के संरक्षक सुभाष वर्मा ठेकेदार, ट्रस्ट के अध्यक्ष पुष्करमल वर्मा, पूर्व प्रधान बाबूलाल वर्मा, ट्रस्ट के पूर्व सचिव सतनारायण वर्मा एडवोकेट, समिति के सचिव डॉ. संजय वर्मा, दयानंद वर्मा, मुकेश कुमार डीपी, हितेश वर्मा एडवोकेट, हेमंत वर्मा एडवोकेट, त्रिभुवन वर्मा, अजय वर्मा, दुर्गा प्रसाद वर्मा, रवि कुमार लखमरा, देवेंद्र कुमार वर्मा, फरीदाबाद से रविंद्र कुमार रोहिल्ला एडवोकेट, बृजमोहन गोठरवाल आदि उपस्थित रहे।

नामदेव के विचार आज भी प्रासंगिक

सतवीर वर्मा ने संत शिरोमणि नामदेव महाराज के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत नामदेव जी केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के मार्गदर्शक थे। उन्होंने भक्ति, समानता, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि संत नामदेव जी ने अपने जीवन में जाति पाति और ऊंच नीच का विरोध करते हुए समाज को एकता और भाईचारे की राह दिखाई। उनकी वाणी में ईश्वर भक्ति के साथ साथ मानव सेवा का संदेश निहित है। नामदेव जी का मानना था कि सच्ची भक्ति वही है, जिसमें मानवता की सेवा और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सम्मान हो। सतवीर वर्मा ने कहा कि आज के समय में संत नामदेव जी के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। अंत में समाज के सभी प्रधानों, पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे गांव गांव और शहर शहर जाकर समाज को एकजुट करें, ताकि आने वाला महासम्मेलन समाज की एकता और शक्ति का ऐतिहासिक उदाहरण बन सके।

कनीना। पीटीएम में भाग लेते अध्यापक-अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

एसडी विद्यालय ककराला में पीटीएम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक अध्यापक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 775 से अधिक अभिभावकों ने भाग लेकर छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं बैठक के महत्व को समझने का परिचय दिया। विद्यालय प्रधानाचार्या शिप्रा सारस्वत ने बताया कि एसडी विद्यालय खेल एवं गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई करवाता है, ताकि बच्चा उसे मनोरंजन के साथ सीखे। सभी अभिभावकों ने अग्रिम सोच का परिचय देते हुए बच्चों के भविष्य के लिए विद्यालय प्रबंधन व सभी संबंधित अध्यापकों के साथ अध्ययन संबंधी समस्याओं के समाधान, शैक्षिक उपलब्धियों के साथ अन्य गतिविधियों व विषयों पर विमर्श किया। विद्यालय सीएओ नरेन्द्र यादव ने बैठक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जागरुक अभिभावकों के लिए अध्यापकों से समय समय पर विचार विमर्श करने व बच्चों के लिए सही मार्ग का चुनाव व सहयोग का आधार है। जिस प्रकार तीन भुजाएं एक साथ मिलकर त्रिभुज का आकार बनाती है, उसी प्रकार अभिभावक के सहयोग से बच्चे बड़े से बड़े लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते है। अध्यापक व अभिभावकों का विचार विमर्श छात्र के जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। सभी अभिभावकों का धन्यवाद कर बैठक का समापन किया।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर प्रधानाचार्या शिप्रा सारस्वत, प्रबंधन समिति के वरिष्ठ सदस्य सीईओ आरएस यादव, डिप्टी डायरेक्टर पूर्णसिंह, कोऑर्डिनेटर स्नेहलता आदि मौजूद थे।

गुलावला की छात्रा रितिका इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव गुलावला स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय की आठवीं कक्षा की छात्रा रितिका ने अपनी प्रतिभा और नवाचार क्षमता का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयन प्राप्त किया है। जो विद्यालय के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। रितिका द्वारा प्रस्तुत किया गया अभिनव विचार वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उपयोगिता का बेहतरीन उदाहरण है।

मुख्याध्यापिका डा. कविता यादव ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रोत्साहन किया। उन्होंने बताया कि इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए सितंबर 2025 में आइक्रियाज भेजे गए थे तथा इसका परिणाम अब जारी किया गया है। विज्ञान अध्यापिका रवीना का विशेष योगदान रहा है। मुख्याध्यापिका ने छात्रा की प्रतिभा को परखने के लिए विज्ञान अध्यापिका रवीना के साथ-साथ सभी स्टॉफ सदस्यों रमेश कुमार, निरूपमा यादव, अभयसिंह, बलकेश कुमार, हरपाल सिंह, राकेश कुमार व परमजीत ने इस मौके पर खुशी प्रकट की और छात्रा रितिका की जिज्ञासु और रचनात्मक सोच की सराहना की।

नारनौल। छात्रा रितिका को सम्मानित करता स्कूल स्टॉफ। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल की अंजलि ने राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया मान

महेंद्रगढ़। आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल कोटपूतली-बहरोड़ की मेधावी छात्रा अंजलि अग्रवाल ने प्रो बजट क्विस्ट 2026 में नेशनल फाइनलिस्ट बनकर विद्यालय, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित की गई, जिसमें देशभर से लाखों प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंजलि ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर क्विज़ एवं निबंध राउंड सफलतापूर्वक पार करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई। उन्होंने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और पूरे क्षेत्र से चयनित होने वाली एकमात्र प्रतिभागी बनीं। इस अवसर अंजलि ने अपनी सफलता का श्रेय अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि अंजलि की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। यह हमारे विद्यार्थियों की क्षमता और उज्ज्वल भविष्य का प्रमाण है। सीईओ मनीष राव ने अंजलि को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां यह दर्शाती हैं कि हमारे विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। विद्यालय की प्राचार्या शिम्पी सिंह ने परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों व अंजलि अग्रवाल को हार्दिक बधाई दी।

आरआरसीएम के दो छात्र इनकम टैक्स विभाग में हुए चयनित

रोड शो विद्यार्थियों का किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरआरसीएम पब्लिक स्कूल कनीना के लिए यह गर्व का विषय है कि विद्यालय के दो होनहार विद्यार्थियों सिया पुत्री राजेश एवं प्रीत्तम पुत्र नरेंद्र का चयन इनकम टैक्स विभाग में अधीक्षक के पद पर हुआ है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन रोशनलाल यादवने दोनों विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर स्कूल द्वारा एक भव्य रोड शो का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों का जोरदार स्वागत किया गया। रोड शो के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। स

कूल प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्योर्थियों ने इस उपलब्धि को विद्यालय के लिए प्रेरणादायक बताया। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह साबित करता है कि कड़ी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

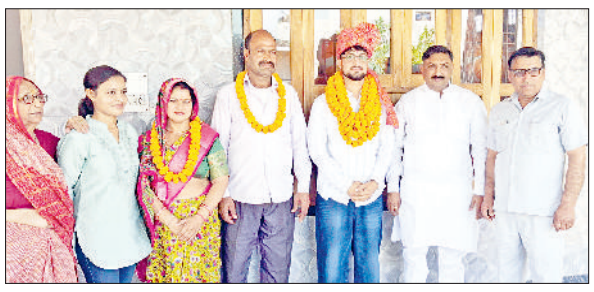

महेंद्रगढ़। सम्मानित करते चेयरमैन रोशनलाल। फोटो : हरिभूमि

बाबा भोमिया मंदिर पटीकरा में किया जागरण

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शनिवार रात को बाबा भोमिया मंदिर पटीकरा में जागरण किया गया। इस अवसर पर रंग बिरंगी लाइटों बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया गया। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान से विधिवत पूजन करवाया। मोहन सागर ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद डॉ. राहुल शर्मा ने आजा रे कन्हैया आजा रे, शिवा ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, प्रवीण शर्मा ने मेरे श्याम मुझे राह दिखाओ, सुदेश शर्मा ने उसे बांसुरी वाले की गोदी में सो जाऊं, संजय ने आओ बाबा कीर्तन में रंग बरसे, डॉ. सुभाष ने मुझे सांवरे तेरा सहारा आदि भजनों से भगवान की महिमा का गुणगान किया। इस मौके पर महेश शर्मा, मयंक मित्तल, संजय आदि मौजूद थे।

वाल्मीकि सभा में महात्मा ज्योतिबा फुले को गणमान्य जनों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय नवजागरण के महान मनीषी व देश में सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती वाल्मीकि सभा भवन में समारोहपूर्वक मनाई गई, जिसमें गणमान्य नागरिकों ने महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की। जयंती समारोह में बोलते हुए सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले एक सामाजिक योद्धा थे, जिन्होंने समानता, बन्धुत्व, नारी के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और शिक्षा को प्रमुखता देने के उनके विचारों के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया। उन्होंने सामाजिक बदलाव में शिक्षा के महत्व को अपने जीवन में अंगीकार किया और बरसों से सोई पड़ी सामाजिक जन चेतना को शिक्षा के माध्यम से

नारनौल। महात्मा ज्योतिबा फुले को श्रद्धांजलि देते हुए।

सामाजिक आंदोलन के रूप में स्थापित कर जनमानस में जागृति का काम किया। उन्होंने कहा कि नवजागरण काल से लेकर आजादी आन्दोलन के दौरान हमारे देश के महापुरूषों व मनीषियों ने मानव निर्माण, चरित्र निर्माण व वैज्ञानिक सोच वाली शिक्षा के लिए संघर्षरत रहे। महात्मा ज्योतिबा फुले का मानना था कि शिक्षा स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान रूप से आवश्यक है. शिक्षा समाज में रोशनी का काम करती है। उन्होंने महिला शिक्षा के क्षेत्र में एक और अग्रगामी कदम उठाते हुए एक जनवरी 1848 को लड़कियों के पहला स्कूल खोला और उसकी जुम्मेवारी सावित्री बाई फुले को दी, जिसे सावित्री बाई फुले ने बखूबी निभाया और इस प्रकार सावित्री बाई फुले देश की पहली शिक्षिका कहलाई। उन्होंने 18 पाठशालाएं खोली, जिनके शिक्षा के लिए द्वार सदियों से बंद थे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, किसान संगठन एआईकेकेएमएस के जिला सचिव डॉ व्रतपाल सिंह, वाल्मीकि सभा के प्रधान जोगेन्द्र जैदिया, राजेश चांवरिया, सुनील सैनी, ताराचंद सैनी, भीमसेन पुरानी मंडी, रिटायर्ड बैंक मैनेजर घनश्याम, मनोज कुमार, विनोद, सुनील, दया

यदुवंशी में लाइफ स्किल्स पर कार्यशाला आयोजित

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में रविवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत जीवन कौशल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। सीबीएसई से आए मुख्य रिसोर्स पर्सन श्वेता व बबली यादव का स्वागत किया और शिक्षा के क्षेत्र में इस विषय की महत्ता पर जोर दिया। प्रशिक्षण में मुख्य वक्ता एवं रिसोर्स पर्सन श्वेता तथा बबली यादव ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए आधुनिक शिक्षा में जीवन कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य नरेश कुमार ने कहा कि आज के सत्र से सीखे गए कौशल निश्चित रूप से कक्षा के वातावरण को और अधिक प्रभावी व सकारात्मक बनाएंगे। निदेशिका सुरेश यादव ने कहा कि यदुवंशी संस्थान हमेशा से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व शिक्षकों के कौशल विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षित होना छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। अंत में प्राचार्य नरेश कुमार ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया।

श्री ठाकुर जी मंदिर मोहल्ला नलापुर में निःशुल्क मेडिकल परामर्श शिविर लगाया

मेडिकल परामर्श शिविर सम्पन्न, सिलाई प्रशिक्षण शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सेवा व समर्पण की भावना को साकार करते हुए सेवा भारती हरियाणा प्रदेश की स्थानीय शाखा की ओर से श्री ठाकुर जी मंदिर मोहल्ला नलापुर में निःशुल्क मेडिकल परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राजेश चौधरी थे।

वहीं डॉ. पवन यादव पशु चिकित्सक व सतीश शर्मा एडवोकेट प्रधान श्री ठाकुर धर्मार्थ ट्रस्ट विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि राजेश चौधरी ने कहा कि सेवा भारती की ओर से आयोजित ऐसे शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, जो जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. पवन यादव ने कहा कि समाज में समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए इस प्रकार के आयोजन समय समय पर होते रहने चाहिए। सेवा भारती जिला अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने कहा कि सेवा भारती पूरे भारत में निरंतर इस प्रकार के सेवा कार्य संचालित कर रही है, जिनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य, शिक्षा व स्वरोजगार से जुड़ी सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि संगठन समय समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर, प्रशिक्षण कार्यक्रम व अन्य सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है और आगे भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रहेंगे।

नारनौल। कैम्प में मरीजों का चेकअप करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

शिविर में गेटवेल हॉस्पिटल की ओर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया। इसमें डॉ. शुभम, डॉ. पवन यादव, डॉ जयश्री ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में कुल 107 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया।

समाज उत्थान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए सिलाई प्रशिक्षण शिविर का भी शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर की जिम्मेदारी प्रतिभा भारद्वाज को सौंपी गई। कार्यक्रम में मंच संचालन सेवा भारती के सचिव डॉ. शिवकुमार ने किया।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर सेवा भारती के जिला अध्यक्ष सुधीर मित्तल, प्रशिक्षण प्रमुख बिशन दयाल, संरक्षक जयप्रकाश सर्राफ, अध्यक्ष अशोक सिंघल, सचिव डॉ. शिवकुमार, कोषाध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, अश्वनी कटारिया, बजरंग लाल गुप्ता, सुशील तायल, सुनील चुग, संजय वर्मा, डॉ. दीपक सेहरावत, विजय सिंह रईस, अशोक सैनी, राजेश गोयल, सुभाष वर्मा, रामचंद्र शर्मा, डॉ. रोहित कुमार, शैलेंद्र शर्मा, विनय जिंदल, अरुण चौधरी, खुशी चौधरी, सरोज बाला आदि मौजूद थे।

अटेली में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा अटेली मंडी के रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं भव्य रूप से मनाया गया। इस आयोजन में पूरे जिले से बड़ी संख्या में विप्र बंधु एवं मातृशक्ति ने भाग लिया, जिससे समाज में उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में पावन सानिध्य सुखराम दास महाराज का प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कार्तिकेय शर्मा उपस्थित रहे।उन्होंने अपने संबोधन में समाज के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया तथा जिले की गौड़ सभाओं को हरसंभव सहयोग देने की बात कही। समारोह की अध्यक्षता एलसी जोशी प्रधान, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने की, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहित शर्मा मौजूद रहे। जिला प्रधान राकेश मेहता ने भी उपस्थिति दर्ज करवाई। सभा के प्रधान धर्मेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम के तहत श्री राधा कृष्ण मंदिर में हवन, आकर्षक झांकियां, भव्य शोभायात्रा, प्रतिभा सम्मान समारोह तथा प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस मौके पर वाईके शर्मा, नरेश शर्मा, पवन बाछौदिया, जगदीश शर्मा, परमानंद कौशिक, सत्यनारायण शर्मा, रविंद्र प्रधान, बुद्धि प्रकाश ईशराणा, राधेश्याम वैद्य, धर्मेंद्र पार्षद, प्रवीण रामपुरा, विजय, सुनील रात्ता कौशिक, आजाद, अरविंद कौशिक, रामानंद वशिष्ठ, पवन भारद्वाज, विजय, संजीव शर्मा आदि व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सम्मानित करते हुए।

खबर संक्षेप

अभिषेक कुरहावटा ने की अजय चौटाला मुलाकात

नारनौल। इनसो के पूर्व जिलाध्यक्ष व युवा जननायक जनता पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव अभिषेक कुरहावटा ने की जेजेपी सुप्रीमो अजय सिंह चौटाला से की मुलाकात की। युवा नेता ने उपरोक्त विषय की जानकारी सांझा करते हुए बताया कि उन्हें जो जिम्मेवारी दी गई, उसके लिए शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया और छात्र व युवाओं को हो रही परेशानी से अवगत करवाया। कालेजों मे हो रही टीचर्स की कमी बहुत ही चिंताजनक हैं। सरकार के प्रति आक्रोश जनता मे साफ झलकता है, जो आने वाले समय मे सरकार के पतन का कारण बनेगी।

रोटरी रसोई दे रही निःशुल्क भोजन : राजकुमार

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी की ओर से महावीर चौक पर संचालित रोटरी रसोई पर रविवार को प्रधान राजकुमार चौधरी के परिवार से माता शकुंतला देवी, उनके पुत्र शुभम चौधरी, पुत्रवधू मानसू चौधरी, पत्नी नीलम चौधरी ने सेवाएं प्रदान कर भोजन वितरित किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब दिल्ली से पधारे मनोज कुमार जैन ने भी रोटरी रसोई में अपने हाथों से भोजन वितरण कर सेवाएं प्रदान की। प्रधान राजकुमार चौधरी ने बताया कि रोटरी रसोई पर प्रतिदिन करीब 300 से 350 लोग भोजन ग्रहण कर रहे है। इस मौके पर नरेश गोगिया, विवेक अग्रवाल, प्रवीण संघी, हितेंद्र शर्मा, सुधीर यादव आदि मौजूद थे।

शनि जयंती महोत्सव की तैयारियों पर बैठक संपन्न

महेंद्रगढ़। प्राचीन शनि देव मंदिर प्रांगण में आगामी शनि जयंती महोत्सव एवं भव्य शोभा यात्रा की तैयारियों को लेकर विशेष बैठक का आयोजन किया गया। आगामी 15 व 16 मई को होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। बैठक के दौरान कमलेश पुजारी, हरिकिशन रोहिल्ला, गिरधर कानोड़िया, आनंद सोनी, राजेश लावणिया, मोनू रोहिल्ला और विनीत पंसारी ने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

14 को मंडलाना में मनाई जाएगी आंबेडकर जयंती

नारनौल। डॉ. भीमराव आंबेडकर मिशन सोसायटी मण्डलाना के तत्वावधान में 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर का 135वां जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। ग्राम मण्डलाना में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इस दौरान बाबा साहेब के जीवन संघर्षों, उनके द्वारा रचित संविधान की गरिमा और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए योगदान पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय कॉमन मोबीलीटी कार्ड एक्टिवेट कराने पर डालने पड़ रहे पैसे, बुजुर्ग परेशान

- वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक आयोजित
- शहर के मुख्य चौराहों पर सीवर व्यवस्था बेहाल, विभाग से जल्द समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक आयोजित की गई। संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में परम्परानुसार सर्वप्रथम जिन सदस्यों का जन्मदिन बैठक वाले मास में आता है, उन उपस्थित सदस्यों जयप्रकाश कौशिक व सुरेश चन्द जांगिड़ को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया। इस बैठक में संगठन की सदस्यता ग्रहण करने के लिए महेंद्र सिंह, प्रभुदयाल बंसल, सुरेश प्रसाद शर्मा, भूपेन्द्र सिंह यादव, जसवंत सिंह व शंकर लाल गोयल द्वारा किए गए आवेदन को स्वीकृति दी गई।

सुरेश प्रसाद शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय कॉमन मोबीलीटी कार्ड तो जारी किए गए हैं, किन्तु उन्हें प्रयोग में लेने के लिए कई जटिलता आ रही हैं। जैसे इस कार्ड को एक्टिवेट करने के लिए पहले तो सीएसटी सैन्टर से पैसे डलवाने होते हैं, जिसके लिए वे अलग से और चार्ज करते हैं। पैसे डालने के बाद हरियाणा परिवहन विभाग नारनौल के पास उसे एक्टिवेट करने के लिए जाना पड़ता है। जबकि इस कार्ड को प्रयोग में लेने के लिए सरल नियम बनाए जाने चाहिए। मौहल्ला नई बस्ती, मालीटिब्बा नजदीक सीआईए कार्यालय के सामने यादव सभा के पास दूसरे चौराहे आदि के सीवर काफी दिनों से ओवरफ्लो हो रहे हैं। इसलिए जनस्वास्थ्य विभाग इस समस्या को तुरन्त हल करे।

बैठक में विचार–विमर्श हुआ कि काफी लोगों ने बीपीएल कार्ड गलत बनवाए हुए हैं। इसलिए विचार-विमर्श उपरांत प्रस्ताव पारित किया गया कि जिला प्रशासन से अनुरोध किया जाए कि बीपीएल कार्डधारक का नाम उसके मकान के बाहर उसका नाम लिखकर उसके नीचे लिखा जाए कि यह व्यक्ति बीपीएल कार्ड धारक है। ऐसा करने पर अपात्र कार्ड धारक शर्म के कारण अपने आप अपना नाम बीपीएल से कटवा लेंगे। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि छोटे तालाब की गन्दगी के कारण तालाब से बदबू आती है। इस मौके में सुरेश प्रसाद शर्मा ने नगर परिषद नारनौल से अनुरोध करते हुए कहा कि आमजन की सभी समस्याओं का विभागीय अधिकारी जल्द समाधान कर निजात दिलाने का काम करें और इस समस्या का समाधान अविलंब करवाया जाए।

बैठक में यह रहे मौजूद

आज की बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया। बैठक में भागीरथ प्रसाद, विजय सिंह रहीश, जसवंत सिंह, बीएल सैनी, शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, बद्रीप्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, रामबिलास यादव, हरिद्वारीलाल वर्मा, डा. आरएन यादव, आरडब्ल्यूए के सचिव अजीत सिंह, ओमप्रकाश बत्रा, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला, श्याम सुंदर शर्मा, नरेंद्र कुमार धौलिया, जयदयाल, चेतनप्रकाश, महेन्द्र कुमार वर्मा, शंकर लाल गोयल, हरिराम गुप्ता, हरिसिंह यादव, सुरेश भारद्वाज, सोमप्रकाश अग्रवाल, रोहतास सिह लाम्बा, शेरसिंह यादव व भगवान दास सैनी आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव के समय हुआ था सड़क का नवीनीकरण

कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे 24 टूटा, हादसों को दे रहा न्योता

रामपुरी डिस्टरीब्यूटरी उन्हाणी के समीप रोड की हालत खराब, सड़क को ठीक करने में लोक निर्माण विभाग के अधिकारी हो रहे असमर्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाइवे 24 पर बने गड्ढे। फोटो : हरिभूमि

कनीना। उन्हाणी के समीप से गुजर रही रामपुरी डिस्टरीब्यूटरी के लीकेज साइफन से टूटी सड़क। फोटो : हरिभूमि

कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाइवे 24 के जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने के कारण सड़क हादसों को बढ़ावा मिल रहा है। आठ अप्रैल को रात्रि करीब साढ़े नौ बजे गुढ़ा गांव के समीप घटित सड़क हादसा भी कमोबेश टूटी व असमतल सड़क के कारण हुआ। जिसके चलते कनीना की ओर जा रही बोलेरो कैपर गाड़ी को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में उन्हाणी निवासी जितेंद्र व उसकी बुआ का लड़का रविंद्र वासी मकडाना गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इससे पूर्व बुचावास के समीप से गुजर रहे एनएच 152 डी के पास भी हादसा घटित हो चुका है। टूटी सड़क को ठीक करने में लोक निर्माण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी असमर्थ साबित हो रहे हैं। जिससे आमजन की जान दांव पर लगी हुई है।

बता दें कि एनएच 152 डी से कनीना होते हुए दिल्ली, झज्जर, बहादुरगढ़ की ओर जाने वाले ओवरलोड वाहनों से सड़क में जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जो निर्दोष वाहन चालकों की जान पर भारी पड़ रहे हैं। हालांकि इस मार्ग का नवीनीकरण विधानसभा चुनाव 2024 से कुछ पूर्व समय हुआ था। जिसमें बढ़िया मैटिरियल इस्तेमाल न होने से वह जल्द ही खंडित हो गया। इसके अलावा कनीना में अटेली सड़क मार्ग पर रेवाड़ी-सादुलपुर रेलवे लाइन पर बनाए जा रहे आरओबी तथा माइनिंग जोन नारनौल की ओर एनएच 152 डी से आने वाले अधिकतम भारी वाहन दिनरात इस मार्ग से गुजरते है। बढ़ते यातायात दबाव के कारण सड़क की हालत खराब हो चली है। रामपुरी रजवाहे उन्हाणी के समीप लीकेज साइफन से सड़क खंडित हो चुकी है। जहां बीते समय घटित हादसे में चार नौजवान युवाओं की जान जा चुकी है। नांगल मोहनपुर में नारनौल सड़क मार्ग पर गंदा पानी जमा हो रहा है। गहरे गड्ढे बनने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बन रही है। नागंल मोहनपुर के पूर्व सरपंच शेरसिंह, रोशनलाल, दौंगड़ा जाट के ग्रामीण मुकेश शर्मा, जोगेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह के अलावा वाहन चालक राजीव यादव, सुभाष चंद, एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, राजेश कुमार, सुनील कुमार ने टूटे सड़क मार्गों का जल्द ही नवीनीकरण करने की मांग की है।

क्या कहते है लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन

इस बारे में लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन अश्वनी कुमार व कनिष्ठ अभियंता नवल कुमार ने बताया कि कनीना-महेंद्रगढ़ स्टेट हाइवे में बने गड्ढों का शीघ्र ही पैचवर्क कराया जायगा। सुरक्षित सड़क यात्रा के लिए उनकी ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। अन्य सड़क मार्गों को भी जल्द ही दुरुस्त किया जाएगा। उन्हाणी के समीप टूटी सड़क का नहर विभाग की ओर से समाधान किया जाएगा। जिसके लिए पत्र भी लिखा गया है।

डेरोली जाट से सिहमा तक सड़क का निर्माण कार्य शुरू

महेंद्रगढ़। नारियक फोड़कर सड़क निर्माण का शुभारंभ करते विधायक कंवर सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

- 98 लाख की लगात से होगा 2 किलोमीटर सड़क का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रविवार को विधायक कंवर सिंह यादव ने डेरोली जाट से सिहमा सड़क निर्माण का नारियल फोड़कर निर्माण का शुभारंभ किया। इस मौके पर खुशी में लड्डू भी बांटे गए। ग्रामीणों ने विधायक कंवर सिंह यादव का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। सड़क का निर्माण मार्केटिंग बोर्ड महेंद्रगढ़ द्वारा करवाया जाएगा।

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि डेरोली जाट से सिहमा की दूरी 2 किलोमीटर है। सड़क निर्माण में 98 लाख रुपये की लागत से 12 फुट सड़क का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास करना है। विधानसभा में चहुंमुखी विकास कार्य करवाना उनकी प्राथमिकता है, ताकि हर गांव और शहर को समान रूप से सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। पूरे हरियाणा में सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेज गति से काम हो रहा है, जिसका लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। महेंद्रगढ़ क्षेत्र में भी विकास कार्यों को गति दी जा रही है और आने वाले समय में क्षेत्र की तस्वीर और बेहतर होगी। सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उनका लक्ष्य है। डेरोली जाट से सिहमा तक बनने वाली यह सड़क ग्रामीणों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी, जिससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी। इस मौके पर मार्केटिंग बोर्ड जेई दाताराम, सरपंच प्रतिनिधि रणवीर, धूपसिंह, रणसिंह प्रजापत, धर्मवीर, बाबूलाल प्रजापत, करण सिंह, नरेंद्र, बलवंत, कर्मवीर फौजी व चौधरी जयसिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

जेआरएफ क्वालिफाइड सरिता को स्वतंत्रता सेनानी ट्रस्ट ने किया पुरस्कृत

नांगल चौधरी। राव जयमल सिंह मैमोरियल ट्रस्ट ने जैनपुर गांव में जेआरएफ क्वालीफाइड छात्रा सरिता कुमारी पुत्री नंदलाल को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। कार्यक्रम अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रधान डॉ. नरेश यादव ने की। जिसमें पीजी कॉलेज नारनौल की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मीना देवी, पूर्व सरपंच रूड़मल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने बेटियों को जुनून उत्पन्न करके पढ़ाई करने का संदेश दिया, जिससे सफलता हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सुविधाओं की मोहताज नहीं होती। इसके लिए युवाओं को सुख सुविधाओं से विमुख होकर कठोर परिश्रम करना पड़ेगा। असफलता मिलने पर मायूस होने की जरूरत नहीं, क्योंकि इससे आत्मचिंतन करने की प्रेरणा मिलेगी। सरिता कुमारी ने नारनौल पीजी कॉलेज से मास्टर डिग्री हासिल की थी। इसके बाद बीते साल यूजीसी के अंतर्गत नेट परीक्षा में शामिल हुई है। जिसके परिणाम में सरिता कुमारी ने जेआरएफ सूची में स्थान बनाकर गांव व परिजनों का गौरव बढ़ाया है।

छोटा-बड़ा तालाब पर स्लम एरिया टैलेंट टीम ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

- सार्वजनिक स्थलों पर सफाई बनाए रखना सामाजिक जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। स्वच्छता अभियान चलाने वाले युवा। फोटो : हरिभूमि

शहर के ऐतिहासिक व प्रसिद्ध छोटा-बड़ा तालाब को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्लम एरिया टैलेंट टीम लगातार विशेष स्वच्छता अभियान चला रही है। यह अभियान पिछले कई सप्ताहों से निरंतर जारी है, जिसमें टीम के सदस्य हर सप्ताह तालाब व उसके आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर रहे हैं। इस अभियान के तहत टीम न केवल कूड़ा-कचरा हटाकर तालाब परिसर को साफ कर रही है, बल्कि लोगों को भी जागरूक कर रही है। टीम का मुख्य उद्देश्य लोगों में यह संदेश देना है कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

टीम सदस्यों ने बताया कि छोटा-बड़ा तालाब एक महत्वपूर्ण और प्राचीन स्थल है, जहां रोजाना कई लोग आते हैं, लेकिन कुछ लोगों द्वारा यहां कूड़ा फैलाने से इस स्थान की सुंदरता और पवित्रता प्रभावित होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीम ने यह जिम्मेदारी उठाई है कि वे न केवल खुद सफाई करें, बल्कि लोगों को इसके प्रति जागरूक बनाएं।

रामपुरा में अतिक्रमण से रास्ते पर आवागमन मुश्किल, हटाने की मांग

मंडी अटेली। अटेली खंड के गांव रामपुरा में रास्ता नंबर 345 पर अतिक्रमण के कारण रास्ता अत्यंत सिकुड़ा हुआ है। यह रास्ता तीन करम साढ़े 16 फुट का है, लेकिन अतिक्रमण के चलते केवल चार फीट तक ही बचा है। इस कारण इस रास्ते से आवागमन करना काफी मुश्किल बना हुआ है। इस रास्ते पर 50 के करीब घरों का आवागमन है। अतिक्रमण के चलते चार पहिये के वाहनों तो निकल ही नहीं पाते है। रास्ते से अतिक्रमण हटाने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर समाधान शिविर में भी उठा चुके है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीण जगबीर, धर्मबीर, सतबीर, राजेश, महाबीर आदि ने बताया कि नानकचंद के घर से लेकर गिरधारी के घर तक लोगों ने रूड़ी, गोबर, इंधन आदि डाल कर रास्ते पर अतिक्रमण किया हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि इस रास्ते पर लोगों ने काफी समय से अतिक्रमण किया हुआ है। इस रास्ते पर बढ़ते अतिक्रमण को बीडीपीओं अटेली दो बार खाली करवा चुके हैं, लेकिन कुछ लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आते हैं। वर्षा व रात्रि के समय तो इस मार्ग के चलना काफी दिक्कतों भरा है।

सीआईए ने नशीले पदार्थ के साथ युवक को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सीआईए ने एक युवक को अवैध नशीले पदार्थ चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए गश्त व चेकिंग के दौरान मोहल्ला मिश्रवाड़ा के पास मौजूद थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि मोहल्ला मिश्रवाड़ा का ही रहने वाला दीपांशु अवैध नशीला पदार्थ बेचने का काम करता है और वह फिलहाल छोटा बड़ा तालाब स्थित शिव मंदिर के पास बैठा हुआ है। इस सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर दबिश दी और घेराबंदी करते हुए दीपांशु को काबू कर लिया। पुलिस की ओर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट को मौके पर बुलाया गया और आरोपित की तलाशी ली गई, तो उसकी पैंट से अवैध नशीला पदार्थ चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक कांटे पर वजन करने पर बरामद चिट्टे का वजन पॉलिथीन सहित 18 ग्राम पाया गया, जिसकी कीमत करीब 50 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस टीम ने मौके पर नशीले पदार्थ को जब्त कर कब्जे में ले लिया। आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है।

आयकर विभाग में निखिल बना ऑफिस सुपरिटेंडेंट

कनीना। गांव कारोली निवासी निखिल यादव को सीजीएल परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आयकर विभाग में ऑफिस सुपरिटेंडेंट के पद पर नियुक्ति मिली है। जिस पर परिजनों तथा ग्रामीणों ने खुशी जताई है। निखिल वर्तमान में केंद्र सरकार के अधीन डाक विभाग में पोस्टल असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है तथा उनकी नियुक्ति हिमाचल प्रदेश में रही है। निखिल ने बताया कि उसने निजी स्कूल से सीनियर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत हिंदू कॉलेज से स्नातक की थी। निखिल के पिता रामौतार भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सूबेदार हैं और वर्तमान में हरियाणा रोडवेज में कार्यरत हैं।

सिंघानिया यूनिवर्सिटी ने शुरू की नारनौल, चिड़ावा व खेतड़ी से 3 बसें

खाड़ी युद्ध से प्रभावित हुआ एशियन थ्रो बॉल कप: कुमार

विश्व थ्रो बॉल फैडरेशन ने थर्ड पैरा थ्रो बॉल चैंपियनशिप के लिए सिंघानिया विवि को चुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पत्रकारवार्ता करते सिंघानियां विवि के कुलपति डा मनोज कुमार।

अप्रैल माह में कुआललंपुर में एशियन थ्रो बॉल कप में भाग लेने जाना था, लेकिन खाड़ी देशों में छिड़ी जंग के कारण यह प्रतियोगिता फिलहाल नहीं हो पा रही है। इसे जून माह में आयोजित करने की संभावना है। तब हमारी सिंघानियां यूनिवर्सिटी की टीम इस खेल में भाग लेने वहां जाएगी। यह जानकारी सिंघानियां यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर एवं रिटायर्ड आईएएस डा मनोज कुमार ने पत्रकारवार्ता में दी। वीसी डा मनोज कुमार ने बताया कि यह खुशी की बात है कि विश्व थ्रो बॉल फैडरेशन ने थर्ड एशियन पैरा थ्रो बॉल चैंपियनशिप–2027 के लिए हमारी यूनिवर्सिटी को चुना है और इस कप की मेजबानी करने का हमें मौका दिया गया है। इसे फरवरी या मार्च 2027 में करवाया जाएगा। इससे पहले फैडरेशन एवं यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू साइन किया जाएगा। एमओयू साइन होने के बाद हम मलेशियार जाएंगे, जहां ये गेम्स होने उपरांत हमें हॉस्ट के तौर पर झंडा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों पैरा एथलेटिक कप थ्रो बॉल का विवि कैंपस में कराया गया था, जिसमें 14 राज्यों की टीमों ने भाग लिया था। उन्होंने विवि के शिक्षा के जुड़े दायित्वों के बारे में बताया कि हमने छात्रों की सुविधा के लिए हाल ही में तीन बसें नारनौल, चिड़ावा एवं खेतड़ी से शुरू कर दी हैं। वर्तमान में विवि कैंपस में विवि के अलावा एक अस्पताल एवं स्कूल भी संचालित किया जा रहा है। गरीब बच्चों खासकर एससी एवं एसटी के बच्चों को छात्रवृत्ति दी जाती है। गर्ल्स के साथ–साथ सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को भी फीस में रियायत प्रदान की जाती है। जो बच्चो 85 प्रतिशत अंक लेकर आता है, उसे हर माह 2100 रुपये की स्टाइफंड दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा फोकस शिक्षा के विस्तार एवं उसकी मजबूती के लिए कार्य करना है। इस मौके पर कैंपस को–वीसी प्रो पीएस जस्सल, चीफ फाइनेंसर सुनील कुमार, को–वीसी पवन त्रिपाठी, डा दुबे, धर्मपाल, वीरेंद्र, संजीव ग्रोवर, डा मनोज वर्गीस एवं रिटायर बीईओ भूपसिंह रंगा आदि मौजूद रहे।